इतिहास की दुनियाँ

भाग-२

कक्षा - १०

(राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, द्वारा विकसित)
बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions Empowering Technologies...

© BSTBPC
WEB COPY ,NOT TO BE PUBLISHED

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

दिशाबोध :

1	**श्री हसन वारिस,**	निदेशक (प्रभारी), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना-800006
1	**डॉ0 सैय्यद अब्दुल मोइन**	विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
1	**श्री रामतवक्या तिवारी**	विभागाध्यक्ष, मानविकी शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना

समन्वयक – **श्री अर्जुन ठाकुर,** व्याख्याता, एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना

श्री नारायण आर्य, व्याख्याता, एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना

लेखक समूह –

1. **डा0 इम्तियाज अहमद,** निदेशक, खुदा वक्श ओरियन्टल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना
2. **डा0 माधुरी द्विवेदी,** स० शिक्षिका, पटना कालेजियट स्कूल, पटना
3. **डा0 सुनीता शर्मा,** व्याख्याता, वी०डी०इंभिनिंग कॉलेज, पटना
4. **डॉ0 पूर्णनाथ कुमार,** स० शिक्षिक, राजकीय बालक मध्य विद्यालय, मछुआटोली पटना
5. **श्री पंकज कुमार,** स० शि० राजकीयकृत उच्च विद्यालय, वीर ओइयारा, वीर, पटना
6. **मो0 शकील राजा,** स० शि०, टी० के० घोष राजकीय उच्च विद्यालय, अशोक राजपथ, पटना
7. **डा0 अख्तर आलम,** व्याख्याता, एस०सी०एम० कॉलेज, गया
8. **श्री ज्ञान रंजन,** स० शि०, उच्च माध्यमिक विद्यालय, शकूराबाद
9. **श्री राम विनय पासवान,** व्याख्याता, एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना

समीक्षक –

1. **श्री पी0 के0 पोद्दार,** इतिहास विभाग, बी० एन० कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय, पटना
2. **श्रीमती माया शंकर,** वाचक, पटना विश्वविविद्यालय, पटना

WEB COPY © BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions Empowering Technologies...

प्रस्तावना

आओ सामाजिक विज्ञान कक्षा-10, इतिहास की पाठ्यपुस्तक भारत सरकार की नई शिक्षा नीति (1986), राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा -2005 तथा राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा एन०सी०एफ० -2005 के आधार पर विशिष्ट रूप से ग्रामीण क्षेत्र के संदर्भ को ध्यान में रखते हुए बिहार पाठ्यचर्चा की रूपरेखा -2008 के निर्माण तथा तदनुरूप पाठ्यक्रम के आधार पर तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम के उद्देश्य पाठ्यपुस्तक के विषय-वस्तु में परिलक्षित है जिसमें बच्चों के सवार्गींण विकास अर्थात् शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं अभ्यास क्षमताओं पर ध्यान दिया गया है। बच्चों में स्वयं करके सीखने तथा खोजी भावना का विकास करना तथा आपस में मिलजुलकर सीखने की प्रवृत्ति का विकास करके उनको जिम्मेवार नागरिक बनाया जाय, जिसमें देश की धर्मनिरपेक्षता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए कार्य करें तथा संविधान के प्रस्तावना,(उद्देशिका) तथा मूल कर्तव्य की पूर्ति हो, ऐसा विद्यालयीय शिक्षा के क्रम में पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक में ध्यान रखा गया है। पाठ्यपुस्तक के माध्यम से बच्चे तथा शिक्षक के बीच शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया बाल-केन्द्रित हों तथा ''सीखना बिना बोझ के '' अर्थात सुगम एवं आनन्दायी शिक्षण हो, ऐसा प्रयास किया गया है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में राज्यशिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद,विद्या पटना की अहम् भूमिका है। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद बिहार द्वारा सृजित की गई यह पाठ्यपुस्तक अध्ययन के क्रम में बच्चों के लिए शिक्षक का काम करेगी।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना राज्य के प्रारम्भिक स्तर के शिक्षक समूह द्वारा तैयार की गई है ।

नये पाठ्यक्रम के आधार पर पुस्तक का यह पहला संस्करण है। अत: पुस्तक में परिष्कार एवं संवर्द्धन की भी काफी गुंजाइश है, जिसके लिए छात्र अभिभावकों एवं शिक्षकों के सुझावों का हम हार्दिक प्रसन्नता के साथ स्वागत करेंगे।

प्रबंध निदेशक
बिहार स्टेट टेक्सट बुक पब्लिशिंग
कोरपोरेशन लिमिटेड, बुद्धमार्ग, पटना

© BSTBPC WEB COPY NOT FOR PUBLISHED
© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक ''सामाजिक विज्ञान, कक्षा-10 भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा -2005 तथा राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा एन०सी०एफ० -2005 के सिद्धांत, दर्शन तथा शिक्षा शास्त्रीय दृष्टिकोण के आधार पर विशिष्ट रूप से ग्रामीण क्षेत्र को संदर्भ में रखते हुए बिहार पाठयचर्या की रूपरेखा -2008 तथा तदनुरूप पाठ्यक्रम के आधार पर बिहार राज्य के शिक्षक समूह के साथ चरण बद्ध कार्यशाला में के साधन सेवी, विषय विशेषज्ञ एवं शिक्षा विदों के साथ मिलकर निर्माण किया गया है। पाठयक्रम के उद्देश्य तथा प्रकरण यथा भोजन, पदार्थ, सजीवों का संसार, गतिमान वस्तुएँ, लोग एवं उनके विचार, वस्तुएँ कैसे कार्य करती है, प्राकृतिक परिघटनाएँ तथा प्राकृतिक संसाधन की मुख्य अवधारणाओं में दिये गये विषय-वस्तु पाठयपुस्तक के अध्यायों में परिलक्षित एवं समाविष्ट किया गया है। जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास अर्थात शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं अभ्यास क्षमताओं पर ध्यान दिया गया है । बच्चों में करके सीखने तथं खोजी भावना का विकास करने तथा आपस में मिल जुलकर सीखने की प्रवृति का विकास करके उनको जिम्मेवार नागरिक बनाया जाय, जिससे देश की धर्म निरपेक्षता, अखंडता एवं समृद्धि के लिए कार्य करे तथा संविधान की प्रस्तावना की पूर्त्ति हो, ऐसा विद्यालयीय शिक्षा के क्रम में पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक में ध्यान रखा गया है । पाठ्य पुस्तक के सभी अध्याय रोचकपूर्ण है। पाठ्यपुस्तक में दिये गये विषय वस्तु विद्यार्थियों के दैनिक अनुभव पर आधारित हो, ऐसा प्रयास किया गया है । कुछ अध्यायों में कहानी के माध्यम से विज्ञान के रहस्यों का उद्‌भेदन करने का प्रयास किया गया है, जो अपने आय में नवाचार है। कहीं-कहीं ऐसे संदर्भित प्रश्न हैं, जिसे बच्चे वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करते हुए सत्य के निकट जाने हेतु कौतुहलता एवं जिज्ञासा रहेगी।

पाठ्यपुस्तक के माध्यम से बच्चों तथा शिक्षक के बीच, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया बाल-केन्द्रित तथा सीखना बिना बोझ के अर्थात सुगम एवं आनन्ददायी शिक्षण हो, ऐसा प्रयास किया गया है, इसलिए पाठ्य पुस्तक के सभी अध्यायों के विषय वस्तु में जगह-जगह क्रियाकलाप अर्थात गतिविधि तथा प्रयोग

WEB COPY BSTBPC NOT FOR PUBLISHED

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions Empowering Technologies...

का वर्णन है । पुस्तक की अधिकांश क्रियाकलाप बिना किसी सामग्री या कम लागत की सामग्री के साथ करवाई जा सकती है । शिक्षण जितना गतिविधि आधारित होगा, बच्चों को सक्रिय बनाने वाला होगा तथा बच्चों को उतना ही अधिक आनन्द आएगा और वे उतनी ही अच्छी तरह दक्षताओं को प्राप्त कर सकेगें । इस कार्य में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है । प्रत्येक अध्याय के अन्त में नये शब्द प्रमुख शब्द, पर्याप्त प्रश्न तथा अधिकांश अध्याय में परियोजना कार्य भी दिये गये हैं जिससे की छात्र की उपलब्धियों की जाँच हो सके ।

प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक की पाण्डुलिपि तैयार करने के पूर्व राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना द्वारा विभागीय पदाधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, भाषा विशेषज्ञों एवं प्रारम्भिक स्तर के शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित की गयी । काफी गहन चर्चा के बाद पुस्तक की पाण्डुलिपि का निर्माण किया गया । राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम, द्वारा विकसित पुस्तकों के साथ अनेक प्रकाशनों की पुस्तकें, संदर्भ सामग्री के रूप में पाठ्यपुस्तक को तैयार करने में उपयोगी साबित हुई । इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव, मानव संसाध न विकास विभाग, बिहार सरकार के निदेशानुसार पाण्डुलिपि तैयार की गयी।

इस पुस्तक के निर्माण में समन्वयक के रूप में श्री अर्जुन ठाकुर एवं श्री नारायण आर्य व्याख्याता एस० सी० ई० आर० टी० की अहम भूमिका रही है । डा० इम्तियाज अहमद के भी कृतज्ञ है जिन्होंने बहुमूल्य समय निकालकर पाण्डुलिपि की समीक्षा की । श्री रामतवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष एवं श्री विजय कुमार आशुलिपिक की पाण्डुलिपि के निर्माण में भूमिका सराहनीय है ।

आशा है विज्ञान की यह पाठ्यपुस्तक बच्चों के लिए लाभदायक, आनन्ददायी एवं रूचिकर सिद्ध होगी । अल्प समय में निर्मित पुस्तक के लिए समालोचनाओं एवं सुझावों का परिषद स्वागत करेगी । प्राप्त सुझावों के प्रति परिषद् सजग एवं संवेदनशील होकर अगले संस्करण में आवश्यक परिमार्जन के प्रति विशेष ध्यान देगी ।

हसन वारिस
निदेशक प्रभारी
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद,
बिहार, पटना-6

© BSTBPC NEVER COPY NOT TO BE PUBLISHED
© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

हमारा संविधान
उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त करने के लिए
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख २६ नवंबर, १९४९ ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

© BSTBPC
WEB COPY NOT TO BE REPUBLISHED

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions
Empowering Technologies...

अनुक्रमणिका

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
१	यूरोप में राष्ट्रवाद	१ – २३
२	समाजवाद एवं साम्यवाद	२४ – ४३
३	हिन्द चीन में राष्ट्रवादी आन्दोलन	४४ – ६८
४	भारत में राष्ट्रवाद	६९ – १०३
५	अर्थ-व्यवस्था और आजीविका	१०४ – १२४
६	शहरीकरण एवं शहरी जीवन	१२५ – १४६
७	व्यापार और भूमंडलीकरण	१४७ – १७०
८	प्रेस संस्कृति एवं राष्ट्रवाद	१७१ – १९६

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

© Copy right received only to BSTBPC, Govt of Bihar and Abdiel Solutions (www.absol.in). Publishing (web/App/Books) will be crime
Abdiel Solutions Empowering Technologies...